समय में गोरखालैंड का यह भाग सिक्किम के साथ जुड़ा हुआ था और सिक्किम princely state जिसे सिक्किम सरकार ने अंग्रेजों को दे दिया। हमारे समझौते भी हैं, जिनमें यह कहा गया है कि गोरखाओं के लिए अलग राज्य की स्थापना की जाए। हमने महसूस किया है कि जिस प्रकार से वहां स्थिति उत्पन्न हो रही है ...**(व्यवधान)**... जिस प्रकार से लोगों की आकांक्षाओं को कुचला जा रहा है, जिस प्रकार से वहां पर नौजवानों के ऊपर प्रहार किया जा रहा है ...**(व्यवधान)**...

SHRI PRASANTA CHATTERJEE (West Bengal): Sir, this cannot be allowed. ...*(Interruptions)*...

श्री राजीव प्रताप रूडी: जिस प्रकार से गोरखा जन मुक्ति मोर्चा के पदाधिकारियों को जेल में बंद किया जा रहा है। ....**(समय की घंटी)**... जिस प्रकार से गोरखालैंड के सवाल पर वहां के लोगों पर पश्चिमी बंगाल द्वारा दमन किया जा रहा है, निश्चित रूप से यह पूरे देश के लिए चिंता का विषय है। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: टाइम हो गया, टाइम हो गया। माइक बंद हो गया। ...**(व्यवधान)**... माइक stop हो गया। ...**(व्यवधान)**...

डा. (श्रीमती) नजमा ए. हेपतुल्ला (राजस्थान): उपसभापति महोदय, मैं अपने आपको इससे सम्बद्ध करती हूं।

श्रीमती माया सिंह (मध्य प्रदेश): उपसभापति महोदय, मैं अपने आपको इससे सम्बद्ध करती हूं।

श्री कलराज मिश्र (उत्तर प्रदेश): उपसभापति महोदय, मैं अपने आपको इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री उपसभापति: सभी एसोसिएट करते हैं। ...**(व्यवधान)**... what is your objection?

SHRI PRASANTA CHATTERJEE : Sir, he is talking the unanimous decision of the West Bengal Assembly about the division of the West Bengal State Government, territory of the West Bengal Government, West Bengal State. ...*(Interruptions)*... This cannot be allowed. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is his point of view. ...*(Interruptions)*... Messages from the Lok Sabha.

MESSAGE FROM THE LOK SABHA

The Jharkhand Appropriation (No. 2) Bill, 2009

SECRETARY-GENERAL: Sir, I have to report to the House the following messages received from the Lok Sabha, signed by the Secretary-General of the Lok Sabha:

"In accordance with the provisions of rule 96 of the Rules of Prodecure and Conduct of Business in Lok Sabha, I am diredcted to enclolse the Jharkhand Appropriation (No. 2) Bill, 2009 as passed by Lok Sabha at its sitting held on the 14th July, 2009.

The Speaker has certified that this Bill is a Money Bill."

Sir, I lay a copy of the Bill on the Table.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Hon. Members, the Budget discussion has to be ened today. The reply by the Finance Minister is fixed at 5.00 o'clock. We have to complete the discussion by

5 o'clock. I will read out the time available to different parties. The Congress Party has one hour and fifty-seven minutes and 13 speakers. ...*(Inerruptions)*... There shall be no grace period. The BJP has 11 minutes and two speakers. The CPI (M) has no time left. The AIADMK has six minutes and one speaker. The JDU has four minutes and two speakers. The CPI has no time left and has one speaker. Nominated Members have 14 minutes and four speakers. Others have one hour and forty minutes and 14 speakers. ...*(Interruptions)*... मैं बताता हूं, आप ठहरिए। The Samajwadi Party has six minutes and three speakers. So, the parties that have been given more time have four hours and twelve minutes. ...*(Interruptions)*... मंत्री का समय अलग है, मैं उसको निकालकर ही बोल रहा हूं। हमारे पास BSP का कोई नाम नहीं है। Name cannot be given just at any time. Now, I would request hon. Members to kindly not exceed the time allotted to them because they would be taking up others' time. I would request parties that have been given more time to accommodate those who have not been given much time. But there, only one speaker would be allowed. If they have no time left, the only grace allowed would be that one person would be allowed to speak. ...*(Interruptions)*... The reply is at 5'o clock. श्री प्रभात झा।

डा. (श्रीमती) नजमा ए. हेपतुल्ला (राजस्थान): जो लोग बोल नहीं पाते हैं, ...**(व्यवधान)**... जैसे लोक सभा में होता है कि वे अपने भाषण को ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: वह रूल आपने नहीं बनाया, इसलिए हम भी फॉलो नहीं करेंगे।

—————

THE BUDGET (GENERAL), 2009-10

श्री राजीव शुक्ल (महाराष्ट्र): उपसभापति महोदय, मैं आपकी अनुमति से आम बजट पर अपने विचार रखने के लिए खड़ा हुआ हूं। मैं सबसे पहले तो वित्त मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने हमारे सामने एक ऐसा बजट प्रस्तुत किया है, जिसने हमें न केवल विकास का रास्ता दिखाया है, बल्कि विपरीत परिस्थितियों में, समाज के हर वर्ग को कुछ न कुछ देने की कोशिश की है। आज विश्व में आर्थिक स्थिति कैसी है, पूरे विश्व में कितनी आर्थिक मंदी चल रही है, इसके बारे में सब जानते हैं। ऐसे हालात में भारत को बचाकर रखना तथा इसके बावजूद आम आदमी के लिए, गरीबों के लिए और समाज के हर वर्ग के लिए कुछ न कुछ देना, मेरे ख्याल से ऐसा प्रणव बाबू जैसा अनुभवी व्यक्ति ही कर सकता था। आज से 34 साल पहले भी वे इस देश के वित्त मंत्री थे। अब 34 साल के बाद उन्हें पुनः वित्त मंत्री बनने का मौका मिला है। इस दरमियान जो उनका अनुभव था, वह इस पूरे बजट में दृष्टिगत होता है। मैं इसके लिए उनको बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। मेरे एक मित्र जो कारपोरेट वर्ल्ड से हैं, उन्होंने एक दिन कहा कि इस बजट में कारपोरेट वर्ल्ड को कुछ नहीं मिला, हमें कुछ नहीं दिया। मैंने कहा कि fringe बेनिफिट टैक्स का फायदा तो मिलेगा? उन्होंने कहा कि वह तो मिलेगा। मैंने कहा कि जो सरचार्ज इनकम टैक्स से हटाया है, उसका फायदा किसे मिलेगा? उन्होंने कहा कि वह तो मुझे मिलेगा। यह तो ठीक है कि कुछ तो मिला, लेकिन बहुत ज्यादा नहीं मिला। कुछ तो मिला, बहुत ज्यादा नहीं मिला, इसका अंतर आपको सीधे-सीधे बजट के प्रस्ताव को देखने में मिलेगा। आप यह देखिए कि प्रणब बाबू के बजट का मुख्य फोकस किस पर है, उनके बजट का मुख्य फोकस आम आदमी पर है। उनका मुख्य फोकस भारत की जनता पर है, जो गांव में रहती है, जो मध्यम वर्ग तथा